

भारत-मसिर संयुक्त वशिष बल अभ्यास साइक्लोन-III

चर्चा में क्यों ?

भारत और मसिर के बीच संयुक्त वशिष बल अभ्यास "[साइक्लोन-III](#)" 10 फरवरी 2025 से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ।

मुख्य बदि

- साइक्लोन-III के बारे में:
 - यह एक **वार्षिक अभ्यास है, जिसे दोनों देशों में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।**
- इसका **पछिला संस्करण जनवरी 2024 में मसिर के अंशास में आयोजित हुआ था।**
- भारतीय टीम में 25 सैनिक होंगे, जिनका प्रतिनिधित्व दो वशिष बल बटालियनों के जवान करेंगे। वहीं, मसिर की टीम में भी 25 सैनिक होंगे, जिनका प्रतिनिधित्व मसिर के वशिष बल समूह और टास्क फोर्स के जवान करेंगे।

//



अभ्यास के उद्देश्य:

- दोनों देशों के बीच **सैन्य संबंधों को सुदृढ़ करना।**
- शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और सामरिक अभ्यास पर वशिष ध्यान देना।
- रेगसितान और अर्ध-रेगसितानी क्षेत्त्रों में **आतंकवाद वशिधी अभियानों** के लिये सामरिक अभ्यासों का पूरवाभ्यास और सत्यापन करना।
- इसमें मसिर द्वारा स्वदेशी सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन और **रक्षा वनिरिमाण उद्योग** का नरीक्षण भी किया गया।

मसिर



- मस्र उत्तरपूरवी अफ्रीका और पश्चिमी एशिया (मध्य पूरव) में सनाई प्रायद्वीप में एक अंतरमहाद्वीपीय देश है ।
- काहरिा मस्र की राजधानी है ।

सीमाएँ:

- **उत्तर:** भूमध्य सागर की सीमाएँ ।
- **पूरव:** स्वेज की खाड़ी और लाल सागर से घरिा हुआ ।
- **पश्चिमि:** लीबिया के साथ भूमि सीमा साझा करता है ।
- **उत्तर-पूरव:** गाज़ा पट्टी (फलिस्तीनी कषेत्र) और इज़रायल की सीमाएँ ।
- **दक्षणि:** सूडान के साथ सीमा साझा करता है ।

समुद्री सीमाएँ:

- **भूमध्य सागर:** साइप्रस, तुर्की और ग्रीस के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है ।
- **लाल सागर:** जॉर्डन और सऊदी अरब के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है ।
- मस्र ने 1922 में आधुनकि स्वतंत्रता प्राप्त की ।
- आधिकारकि भाषा आधुनकि मानक अरबी है ।
- आम तौर पर बोली जाने वाली बोली मस्रि अरबी (मसरी) है ।
- **इस्लाम प्रमुख धर्म है,** जसिमें 85-90% आबादी सुन्नी मुसलमि है ।

प्रमुख नदी:

- नील नदी मस्र में साल भर बहने वाली एकमात्र नदी है । लगभग 98% आबादी नील नदी घाटी में रहती है ।

